संकल्प >> अच्छे संकल्पों में बिजी बनो तो खराब संकल्पों को छोड़ने में ईजी बन जायेंगे

चलें.... तो आगे बढ़ें

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

चलाना (क्रियेट)-ये भी एक शक्ति है। कई लोग कहते हैं हमारा मनन-चिन्तन नहीं चलता। बाबा कहते तो ठीक हैं कि विचार सागर मंथन करो लेकिन हमारी बुद्धि चलती ही नहीं, क्या करें। अरे भाई, अभ्यास करोगे तब तो चलेगी! कई बार गाड़ी धक्के से भी चल पड़ती है। उसी प्रकार, हमें विचार चलाने का अभ्यास करना चाहिए, तब तो बुद्धि चलेगी। अगर व्यक्ति ज़्यादा समय चलेगा नहीं अथवा बोलेगा ही नहीं तो वह जीवन में कभी न चल पायेगा और न बोल पायेगा। चलता पानी साफ रहता है। हवाई जहाज भी पहले चलता है, बाद में रफ्तार तेज करता है, उसके बाद उड़ना शुरू करता है। बाबा भी कहते हैं, बच्चे, ज्ञान में तो चल रहे हो लेकिन किस गति से चल रहे हो, यह भी चेक करो। तीव्र पुरुषार्थ कर रहे हो या पुरुषार्थ कर रहे हो? पुरुषार्थ करना माना चलना। जिसकी उन्नति नहीं हो रही है, गति रुक गयी है, इसका अर्थ है कि वह चल नहीं रहा है, बैठा हुआ है, उसका पुरुषार्थ रुक गया है। इसलिए न सिर्फ बुरे संकल्पों को रोको, साथ-साथ अच्छे विचारों को चलाओ, सोचो। बुद्धि में जितने अच्छे विचार चलेंगे उतने आगे बढ़ेंगे। पुरुषार्थ की गति को भी तीव्र करो तब जाकर उड़ती कला प्राप्त करेंगे जैसेकि हवाई जहाज पहले चलता है, फिर तेज चलता है, बाद में उड़ जाता है।

चलाना शब्द के कई अर्थ हैं। कई बार हम किसी की, किसी बात को पकड़ कर बैठ जाते हैं कि उसने ऐसे मुझे कहा ही क्यों? हमने उसका बिगाड़ा ही क्या है? यह हमारे पीछे पड़ा ही क्यों है? कोई हल्का करने के लिए यह भी कहते हैं कि भाई, बात को पकड़ क्यों बैठे हो, कुछ चलाया भी करो, आप तो बात को पकड़ लेते हो। थोड़ा सरल बनो। बाबा कहते हैं, ईजी बनो और बिजी भी बनो। अच्छे संकल्पों में बिजी बनो और खराब संकल्पों को छोड़ने में ईजी बनो। ईजी बनोगे तो बिजी बनोगे। अगर बात को नहीं छोड़ोगे तो पड़े रहो बिस्तर पर। फिर डॉक्टर को ले आना पड़ेगा। वह हार्ट को देखेगा।

आप इस तरह बात को पकड़ कर बैठोगे तो यही हाल होगा। इसीलिए हरेक को जीवन में कुछ चलाने की शक्ति प्रयोग में लानी चाहिए। परिवार में सास ठीक है तो बहू ठीक नहीं, बहू ठीक है तो सास ठीक नहीं। कहीं बेटा ठीक नहीं, कहीं माँ ठीक है तो बेटी ठीक नहीं। लेकिन हमारे पास एडजस्ट होने की शक्ति अथवा चलाने की शक्ति होनी चाहिए। बाप ठीक नहीं, ऐसा समझकर कहाँ जाओगे? हिसाब-किताब था, तुम बेटे बन गये, वह बाप बन गया। दूसरे बाप को कहाँ से लाओगे? अब जो बात है उसको चलाओ, क्या करोगे? किसी के गले में ढोलक पड़ ही गया, तो क्या करोगे? बजाओ उसको, जैसे भी हो। इसी प्रकार, जीवन में किसी को कैसा भी व्यक्ति मिला, उसको चलाना सीखो, उसके साथ एडजस्ट होना सीखो। आप तो उसे परफेक्ट चाहते हो परन्तु इस दुनिया में कोई परफेक्ट तो है नहीं। आपकी मर्जी के मुताबिक कोई व्यक्ति आपको मिले-यह हो नहीं सकता। क्योंकि हरेक की योग्यता और शक्ति अलग-अलग होती है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं मिलेगा कि आप जैसे कहें वैसा 100 प्रतिशत करे। इसलिए जीवन में, मनुष्य को जैसे भी है, जो भी है थोड़ा-बहुत एडजस्ट करना पड़ता है, टॉलरेट करना पड़ता है, चलाना पड़ता है। योगी बनना है तो कुछ चलना पड़ता है और कुछ चलाना पड़ता है, अपने को हल्का रखना पड़ता है।

इसको बाबा बोलते हैं, पास्ट को पास्ट करो और अपने को पास करने की कोशिश करो। अगर कोई बात को पकड़ कर बैठ जाओगे तो फेल हो जाओगे। सदा यह समझो कि मेरी परीक्षा हो रही है, मेरे पेपर्स चल रहे हैं। परीक्षा में यह नहीं पूछा जाता कि यह प्रश्न किसने निकाले हैं, क्यों निकाले हैं। जो भी प्रश्न आते हैं उनको पास करना है। अच्छा विद्यार्थी परीक्षा में जो प्रश्न आते हैं उनमें पास होने के प्रयत्न में रहता है। इसको भी चलाना कहते हैं। मनन-चिन्तन चलाओ, पुरुषार्थ तेज करो, याद की यात्रा पर चलो, पॉजिटिव विचार चलाओ। इसको हम कहते हैं, चलो और चलाओ। चलते-चलते, चलाते-चलाते पुरुषार्थ को तेज करो और उड़ती कला प्राप्त करो।

दिल्ली-पाण्डव भवन। केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री तथा कोयला, खदान राज्यमंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे को उनके दिल्ली स्थित निवास स्थान पर रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सविता दीदी। इस अवसर पर ब्र.कु. शिवानी बहन, ब्र.कु. कमल भाई तथा ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके उपस्थित रहे।

हजारीबाग-झारखण्ड। जिले के डी.सी. को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व प्रसाद भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हर्षा बहन।

मथुरा-रिफाइनरी नगर(उ.प्र.)। जिला अधिकारी नवनीत सिंह चहल,आई.ए.एस. को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कृष्णा बहन।

भरतपुर-राज.। महाराजा श्री विश्वेन्द्र सिंह,पूर्व कैबिनेट मंत्री,राज. सरकार को शतायु का तिलक देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कविता दीदी तथा ब्र.कु. बबिता दीदी।

बीदर-कर्नाटक। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सुमंगला बहन, राजयोगिनी ब्र.कु. सुनंदा बहन, डॉ. पी. विठ्ठलरेड्डी,एचओडी,केमिस्ट्री,बीवीबी कॉलेज,बीदर, हाउशेट्टी पाटिल,एडवोकेट, डॉ. हनमशेट्टी, शिवराज पाटिल,बिज़नेसमैन तथा अन्य गणमान्य लोग।